न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट सीकर

पीठासीन अधिकारी नरेश कुमार ठकराल आई.ए.एस.

पत्रावली संख्या 25/2017/ गुण्डा एक्ट

सरकार जरिये पुलिस अधीक्षक, सीकर।

सायल

बनाम

अरूण कुमार पुत्र ताराचन्द, जाति ब्राहम्ण, निवासी वार्ड नम्बर 08, थाना खाटूश्यामजी, जिला सीकर (राज.)।

गैरसायल

उपस्थितः–

1. सायल की ओर से कोई उपस्थित नहीं ।
2. गैरसायल स्वयं अनुपस्थित।

इस्तगासा अन्तर्गत धारा 3/10 राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम 1975

निर्णय

दिनांक : 13 मार्च, 2018

1. पुलिस अधीक्षक सीकर ने गैरसायल **अरूण कुमार पुत्र ताराचन्द, जाति ब्राहम्ण, निवासी वार्ड नम्बर 08, थाना खाटूश्यामजी, जिला सीकर (राज.)** के विरूद्ध यह इस्तगासा इस न्यायालय में अन्तर्गत धारा 3/10 राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम 1975 के तहत प्रस्तुत किया है।

2. पुलिस अधीक्षक सीकर ने प्रकरण के तथ्य संक्षिप्त में निम्न प्रकार से होना अंकित किया है कि गैरसायल **अरूण कुमार पुत्र ताराचन्द, जाति ब्राहम्ण, निवासी वार्ड नम्बर 08, थाना खाटूश्यामजी, जिला सीकर (राज.)** का रहने वाला है। यह अपराधी अपने साथी सदस्यों का मुखिया है। यह व्यक्ति अन्य साथियों के साथ मिलकर इलाका क्षैत्र में जुआ सट्टा खेलने की गैंग बना रखी है। जिससे आम जनता व समाज पर बुरा असर पड रहा है तथा आम जन में भय व्याप्त है। इस व्यक्ति के विरूद्ध **15 वर्ष** की अवधि में जुआ अधिनियम के तहत कुल **05** अभियोग पंजीबद्व होकर **कुल 05** अभियोगों में चालान न्यायालय में पेश किये गये। जिनमें गैरसायल को सजा हो चुकी है। इस प्रकार गैरसायल इलाका क्षैत्र में जुआ सट्टा खेलने का आदतन अपराधी है। जिससे आम

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट सीकर (राज.)

जिला मजिस्ट्रेट, सीकर

Web Copy - Not Official

Scanned by CamScanner

जनता गवाही देने से भी भयभीत है। अतः गैरसायल के विरूद्व इस्तगासा अन्तर्गत धारा 3/10 राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम 1975 मे प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि इसके विरूद्व विधि सम्मत कार्यवाही की जावें ताकि क्षैत्र में जुआ खेलने आदि का अपराध ना किये जावें।

3. इस्तगासा प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर गैरसायल को राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम 1975 की धारा 3 के अधीन नोटिस जारी किया गया। गैरसायल अनुपस्थित।

4. हमने पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात का अवलोकन किया। पुलिस अधीक्षक सीकर की रिपोर्ट के अवलोकन से जाहिर है कि गैरसायल के विरूद्व **15 वर्ष** की अवधि में जुआ अधिनियम के तहत कुल **05** अभियोग पंजीबद्व होकर **कुल 05** अभियोगों में चालान न्यायालय में पेश किये गये। जिनमें गैरसायल को सजा हो चुकी है। पुलिस अधीक्षक सीकर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजात एफआईआर एवं न्यायालय के निर्णयों की प्रतियों से प्रमाणित है कि गैरसायल राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 02(आ) में वर्णित दण्डनीय अपराध करने का अभ्यस्त (प्रयास करता है करने के लिए प्रेरित भी करता है) है। इसलिए गैरसायल राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 03/10 श्रेणी में आता है। ऐसी स्थिति में गैरसायल के विरूद्व राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा 03/10 के तहत सायल द्वारा प्रस्तावित कार्यवाही किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः सायल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा 03/10 के तहत स्वीकार किया जाता है। गैरसायल **अरूण कुमार पुत्र ताराचन्द, जाति ब्राहम्ण, निवासी वार्ड नम्बर 08, थाना खाटूश्यामजी, जिला सीकर (राज.)** को **..5. माह** के लिए जिला **अलवर** में निष्काषित किया जाता है। गैरसायल को निर्देशित किया जाता है कि वह अविलम्ब अपनी उपस्थिति पुलिस अधीक्षक, **अलवर** को प्रस्तुत करें। इस आदेश की एक प्रति जिला मजिस्ट्रेट **अलवर** व पुलिस अधीक्षक **सीकर/ अलवर** को प्रेषित की जावे।

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट सीकर (राज.)

5. निर्णय आज **दिनांकः 13 मार्च, 2018** को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(नरेश कुमार ठकराल)
जिला मजिस्ट्रेट, सीकर
जिला मजिस्ट्रेट, सीकर

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

Scanned by CamScanner